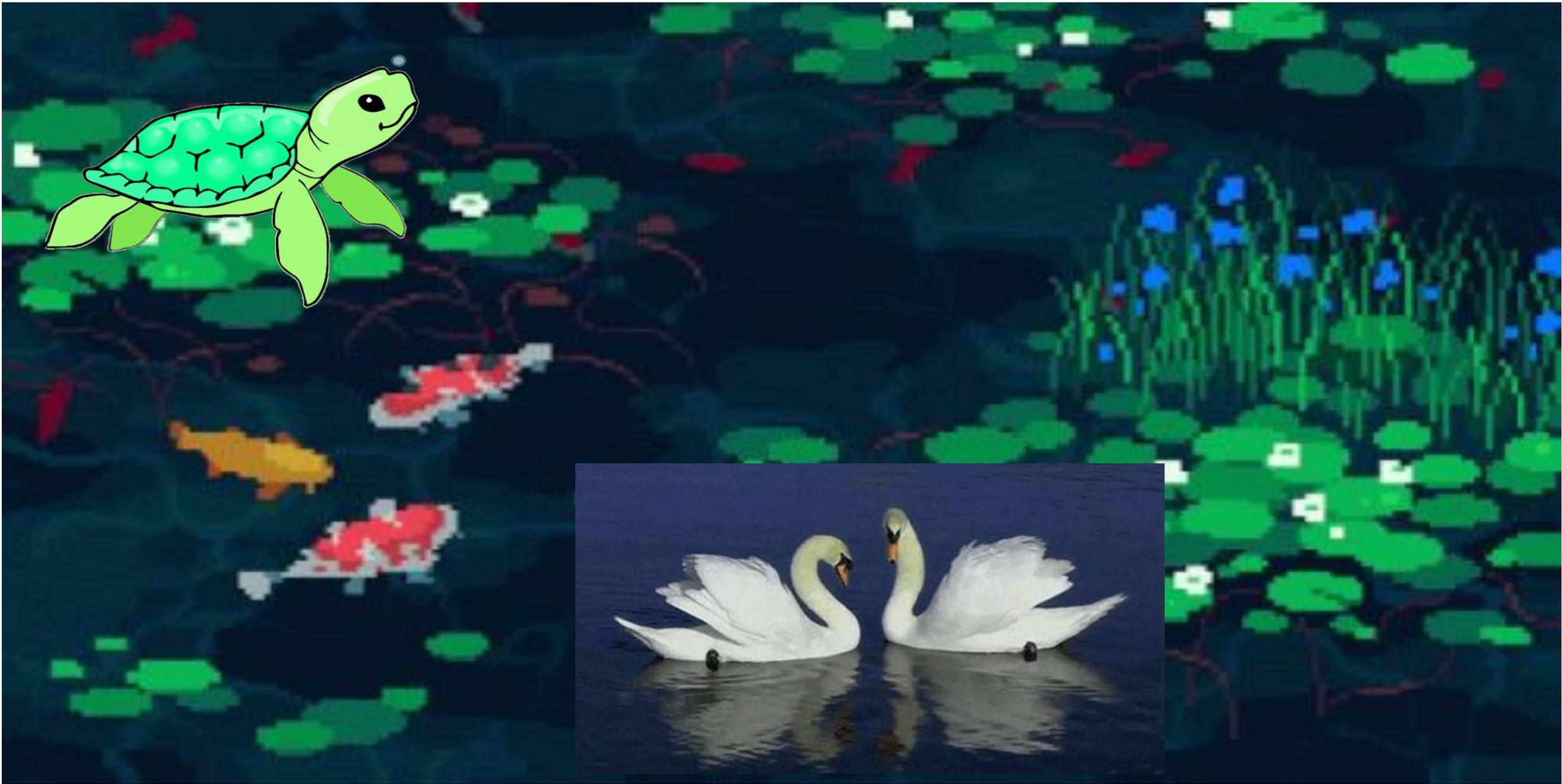




CLASS: III
SESSION NO : 4
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME : हंस और कछुआ
SUB – TOPIC- प्रस्तावना तथा आदर्श पठन

CHANGING YOUR TOMORROW

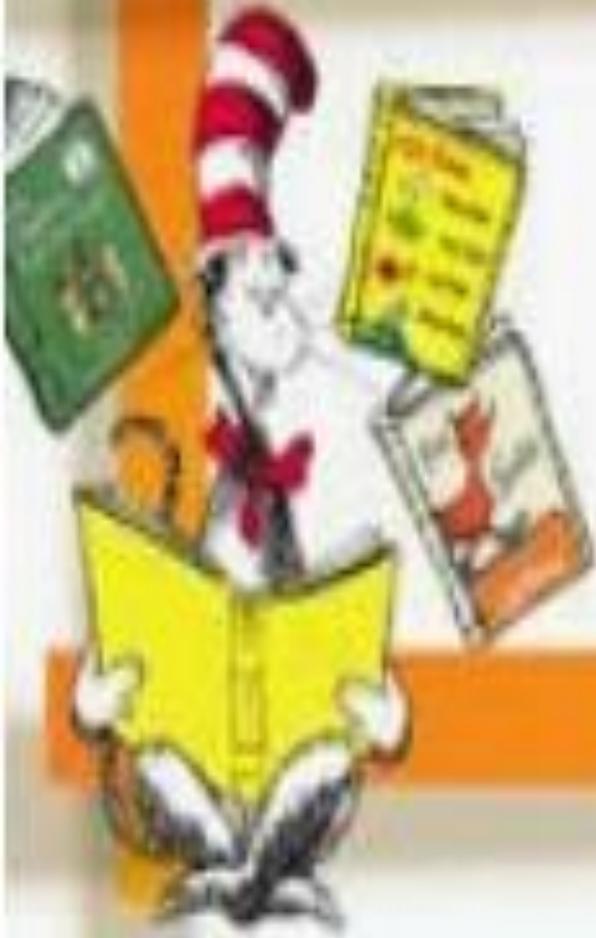


पाठ -३ हंस और कछुआ



सीखने का उद्देश्य

सही क्रम के अनुरूप
पठन शैली का ज्ञान
होना।



3

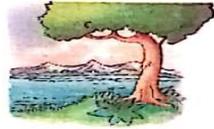
हंस और कछुआ



चिंतन-मनन

मुसीबत में मौन रहना ही श्रेष्ठ है।

मगध देश में फुल्लोत्मल नामक



में संकट और विकट नाम के

दो



रहते थे। उसका एक



मित्र भी वहाँ रहता था।

उस तालाब में बहुत सारी



भी रहती थीं।

एक बार कुछ



वहाँ से गुज़र रहे थे। उनकी निगाह



में तैर रही



पर पड़ी।



ने आपस में विचार करके

तय किया कि वे अगले दिन आकर  की  और

 को पकड़ेंगे।

संकट और विकट ने  को आपस में बात करते सुन लिया

था, इसलिए उन्होंने यह बात  और  को बता दी।

 यह सुनकर घबरा गया। वह अपने बचाव का **उपाय** सोचने

लगा। उसे लगा कि उसे यह  **शीघ्र** ही छोड़ देना चाहिए।

उसने  से **निवेदन** किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ, लेकिन

  को वहाँ से कहीं और कैसे ले जाते? 

को तो उड़ना ही नहीं आता था। बहुत सोच-विचारकर उन्होंने एक योजना

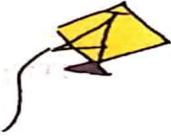
बनाई।  ने  से कहा कि वे एक  लेकर

उसके दोनों **सिरों** को अपनी-अपनी  में दबा लेंगे और कछुआ

उस लकड़ी को अपने  से बीच में से पकड़ लेगा। 

ने  की योजना मान ली।  ने उसे बोलने से मना कर

दिया था। वे तीनों उड़ चले। जब वे एक  के ऊपर से उड़ रहे

थे, तो नीचे कुछ बच्चे  उड़ा रहे थे। सभी  ऊपर

का दृश्य देखकर चकित रह गए। गाँव में खूब शोर मच गया। 

उनके पीछे-पीछे भागने लगे और आपस में बात करने लगे।

एक  बोला—“देखो! कैसा **अद्भुत** दृश्य है।”

दूसरा  बोला—“अगर यह  गिर पड़े, तो मैं इसे अपने घर में ले जाकर पालूँगा।”

तीसरा  बोला—“नहीं, मैं तो इसे पकड़ लूँगा और कहीं जाने नहीं दूँगा।”

 सबकी बात सुनकर बेचैन हो रहा था। उसे  की बातें सुनकर गुस्सा भी आ रहा था। उससे बोले बिना रहा नहीं गया। वह अपना संयम खो बैठा और गुस्से में आकर बोला—“तुम क्या खाक पकड़ोगे मुझे!” इतना कहना था कि वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मर गया।

गृह कार्य

सामूहिक चर्चा -हमें मुसीबत के समय में चुपचाप से हर कार्य को सही तरीके से करना चाहिए या नहीं

अध्ययन के परिणाम

कहानी पठन के बाद बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास हो पाएगा।



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP